# ईमान और उसके मसाईल |मिश्कात शरीफ

मौलाना मुहम्मद इमरान कासमी बिज्ञानवी.

एक हज़ार मुन्तखब हदीसे मिश्कात शरीफ हिन्दी.

## बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहिम

## {१} तिर्मेज़ी व नसाई, हजरत अबू हुरैरह रदी की रिवायत का खुलासा.

रसूलुल्लाहﷺ ने फरमाया मुसलमान वोह आदमी है जिसकी ज़बान और हाथ से दूसरे मुसलमान महफ़ूज़ रहे और मोमिन वोह आदमी है जिससे लोगो के खून और माल महफ़ूज़ हो.

## {२} बैहकी, हजरत अनस रदी की रिवायत का खुलासा.

रसूलुल्लाहﷺ ने फरमाया जिस आदमी में अमानतदारी नहीं उसमे ईमान नहीं, और जो वायदे का ख्याल नहीं करता उसके दीन का कोई एतेबार नहीं.

## {३} तिर्मेज़ी, हजरत अबू हुरैरह रदी की रिवायत का खुलासा.

रसूलुल्लाहﷺ ने फरमाया जब कोई आदमी ज़िना करता है तो उस के जिस्म से उसका ईमान निकल कर उसके सर पर साये की तरह रहता है और जब वह उस काम से रूक जाता है तो ईमान उसकी तरफ वापस लौट आता है.

## {४} अबू दाउद, हजरत इबने अब्बास रदी की रिवायत का खुलासा.

एक सहाबी ने रसूलुल्लाहﷺ की खिदमत में हाज़िर होकर अर्ज़ किया ऐ अल्लाह के रसूल! में अपने दिल में ऐसे ख्यालात पाता हु कि ज़बान से उनके इज़हार के बजाय जलकर कोयला हो जाना मुझे ज़्यादा पसन्द है, आपﷺ ने फरमाया अल्लाह का शुक्र है जिसने उन ख्यालों को वस्वसों तक सीमित रखा और उन्हे यकीन व अमल का हिस्सा नहीं बनने दिया.